

आरती श्री रामचंद्रजीकी

Aarati Shri Ramchandrajiki

जय जय रघु राया प्रभु जय जय रघु राया (२)

सरयु किनारे प्रगट्या कौशल्या जाया..प्रभु जय जय रघु राया

पित्रु वचन ने काज, विचर्या वनमांहे ..प्रभु विचर्या वनमांहे
रावण मार्यो क्षणमा, भक्तोए जश गाया ..प्रभु जय जय रघु राया

शबरी केरा बोर आरोग्या प्रेमे .. प्रभु आरोग्या प्रेमे
भक्त जनोने कारण प्रगट्या रघु राया..प्रभु जय जय रघु राया

राम चरणमा प्रीति जे कोइ करशे .. प्रभु जे कोइ करशे
जन्म मरणना फेर टलशे दुःखमाया..प्रभु जय जय रघु राया

दशरथ नंदन राम छो अंतर यामी ..प्रभु छो अंतर यामी
भूमिनो भार उतार्यो भक्तोने मन भाव्या..प्रभु जय जय रघु राया

जय जय रघु राया प्रभु जय जय रघु राया (२)

सरयु किनारे प्रगट्या कौशल्या जाया..प्रभु जय जय रघु राया